JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

कोविड 19 (2020-21) में दस शीर्ष कंपनियों की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व संबंधी गतिविधियों और उनकी मीडिया कवरेज का अध्ययन

डा बिजेंद्र कुमार
एसोसिएट प्रोफेसर ,डा भीमराव अंबेडकर कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय ,दिल्ली

सारांश -- भारत सरकार ने 2013 से कॉर्पोरेट सेक्टर के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व वैधानिक रूप से करने के लिए अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए नियम- कानून भी सुनिश्चित किए गए हैं । सी एस आर कार्यों को कंपनी में एक बोर्ड के माध्यम से सम्पन्न किया जाता है।2020 में भारत ही नहीं बल्कि विश्व भर कोविड 19 महामारी के भयावह संकट से जूझ रहा था। लॉकडाउन के कारण आर्थिक और सामाजिक गतिविधियां ठप्प हो गई थी। देश में भय ,विस्थापन और महामारी के कारण स्वास्थ्य ढांचे के साथ जीविका पर संकट गहराने लगा था । नितांत नए तरह की बीमारी होने और निश्चित इलाज न होने से स्थिति दिनोंदिन खराब होने लगी थी। ऐसे में सरकार ने कॉर्पोरेट सेक्टर से कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व की राशि स्वास्थ्य सेवा,राहत और बचाव के लिए खर्च करने का आग्रह किया । पी एम केयर फंड में सहयोग करने की अपील भी की गई। सी एस आर के दायरे में आने वाली प्रमुख और बड़ी कंपनियों जैसे रिलायंस ,टाटा ,एच डी एफ सी ,ओएनजीसी ,एनटीपीसी ,इंडियन ऑयल ,इन्फोसिस, आई टी सी और विप्रो सहित अनेक कंपनियों ने पी एम केयर सहयोग करने के अलावा कोविड संकट काल में स्वास्थ्य ढांचे में सुधार के लिए भी सहायता दी। सी एस आर राशि से अनेक राहत और बचाव कार्यों के साथ चिकित्सा उपकरण,खाद्य पदार्थ एवं अन्य सहायता भी उपलब्ध कराई गई । मीडिया ने सी एस आर के तहत किए गए कोपोरेट क्षेत्र के सामाजिक कार्यों की सकारात्मक प्रस्तुति की। समय पर सहायता सामग्री संबंधी सूचना देने के लिए कंपनियों ने अपने सोशल मीडिया का भी प्रयोग किया।प्रस्तुत शोध पत्र में सी एस आर के अंतर्गत देश भर में किए गए सामाजिक कार्यों में शीर्ष पर विराजमान देश की दस प्रमुख कंपनियों के सी एस आर कार्यों और उनके कार्यों की मीडिया में प्रस्तुति का अध्ययन किया है।

बीज शब्द – सरकार ,कॉर्पोरेट सेक्टर ,कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व ,कोविड 19 महामारी ,स्वास्थ्य संकट ,एनजीओ ,सी एस आर कार्यक्रम ,श्रमिक ,विस्थापन ,मीडिया।

शोध प्रविधि –प्रस्तुत शोध पत्र में गुणात्मक और मात्रात्मक शोध प्रविधि का प्रयोग किया गया है। इस शोध पत्र में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व राशि खर्च करने में शीर्ष दस कंपनियों के सामाजिक सहायता कार्यक्रमों की समीक्षा और मीडिया में उनकी प्रस्तुति का विश्लेषण करने का प्रयास किया है।

शोध क्षेत्र – प्रस्तुत शोध पत्र में कोविड के समय 2020-21 में दस शीर्ष सी एस आर खर्च करने वाली कॉर्पोरेट कंपनियों की कोविड 19 के दौरान निभाई गई सामाजिक भूमिका का अध्ययन किया गया है। इसके साथ मीडिया में उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों का विश्लेषण करने का प्रयास भी किया गया है। 2020-21 में इन दस शीर्ष सी एस आर खर्च करने वाली कंपनियों ने सी एस आर राशि किन क्षेत्रों में खर्च की और मीडिया ने उसे कैसे तरीके से कवरेज दी ,इसका अध्ययन भी करने का प्रयास किया गया है।

प्रस्तावना - भारत में परोपकार की भावना सभ्यता और संस्कृति के अभिन्न अंग के रूप में दैनिक जीवन का हिस्सा रही है ।सामाजिक जीवन और व्यापारिक मूल्यों में यह परोपकार की भावना किसी न किसी रूप में विद्यमान रही है। भूमंडलीकरण ने कॉरपोरेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विकास और विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।औद्योगिक पूंजीवादी सभ्यता के विकास के साथ उत्पन्न कॉरपोरेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अथाह संपत्ति का अर्जन किया है। विश्व की 1% आबादी के पास विश्व की ज्यादातर संपत्ति का मालिकाना हक है लेकिन सामाजिक जिम्मेदारी के नाम पर इन अमीरों की भूमिका बेहद निराशाजनक रही है। भारत और विश्व में कॉर्पोरेट क्षेत्र में कुछ चुनिंदा नाम है जिन्होंने सामाजिक क्षेत्र में व्यक्तिगत स्तर पर अपना योगदान देने का प्रयास किया है । अकूत मुनाफा कमाने वाले कॉर्पोरेट और बहुराष्ट्रीय निगमों की सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी जामा पहनाने का मुद्दा देश में अक्सर उठता रहा है।

सी एस आर कानून में सामाजिक कार्यों को वैधानिक दर्जा -- वर्ष 2013 में कंपनी कानून में संशोधन कर सीएसआर को वैधानिक रूप प्रदान किया गया। 2014 से इस कानून को लागू किया गया। सी एस आर के वैधानिक रूप दिए जाने से पूर्व कॉर्पोरेट के सामाजिक उत्तरदायित्व के कुछ चुनिंदा उदाहरण और निजी किस्से ही मीडिया में सुनने -पढ़ने को मिलते थे। इस तरह की खबरों की कवरेज में मीडिया की भूमिका ज्यादातर व्यक्ति की छवि निर्माण पर ज्यादा रही। इसमें कॉर्पोरेट और उद्योग की सामाजिक भूमिका और योगदान और उससे होने वाले समाज के लाभ पर मीडिया का ध्यान कम ही रहा । दूसरे, अमीरी के निजी किस्से साल में बहुत चुनिंदा ही देखने को मिलते हैं क्योंकि भारत में बहुत कम उद्योगपति इस तरह के सामाजिक योगदान का काम करते हैं इसलिए मीडिया का भी ध्यान इस तरफ बहुत ज्यादा नहीं गया।

2013- 14 मई भारत में कंपनी अधिनियम 1956 के अनुच्छेद 135 को संशोधित सी एस आर को अनिवार्य बना दिया गया। इसमें औद्योगिक और व्यापारिक जगत के सामाजिक उत्तरदायित्व को निर्धारित कर वैधानिक करने का काम किया गया ।भारत कॉरपोरेट कंपनियों के लिए सीएसआर की अनिवार्यता करने वाला भारत पहला देश बना ।

इस कानून के तहत ऐसी कंपनियां --जिनकी कुल लागत 500 करोड़ या ज्यादा हो या जिनका टर्नओवर 1000 करोड़ या उससे अधिक हो या जिनका शुद्ध मुनाफा 5 करोड़ से अधिक हो

ऐसी कंपनियां सीएसआर कानून के दायरे में आएंगी। --ऐसी विदेशी कंपनियां जिनका ऑफिस या कोई परियोजना भारत में चल रही है वह भी इस कानून के दायरे में आएगी । (http://csr.gov.in, 2014)। 2021 में सी एस आर कानून में कई संशोधन किए गए।

बोर्ड संचालित गतिविधि सी एस आर -- सीएसआर कानून के द्वारा प्रत्येक कंपनी में एक सीएसआर कमेटी या बोर्ड बनाया जाएगा जिसमें एक महिला प्रतिनिधि का होना अनिवार्य है ।यह समिति कंपनी की सीएसआर नीति और कार्यक्रम की योजना बनाने का कार्य देखती है ।सी एस आर के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रम योजना निर्माण और उनकी निगरानी का काम भी इस कमेटी के द्वारा किया जाता है। यह समिति सुनिश्चित करती है कि पिछले 3 वर्षों के कुल लाभ का 2% सीएसआर के रूप में व्यय किया

जाए। सी एस आर कानून में प्रावधान किया गया कि कंपनी अपनी सी एस आर नीति को सार्वजनिक रूप से घोषित और प्रदर्शित करेगी (http://csr.gov.in ,2014)।

समाज,शिक्षा ,स्वास्थ्य ,संस्कृति ,पर्यावरण- सब सी एस आर के तहत -- कंपनी एक्ट 2013 -14 मई से सी एस आर के लिए जो प्रमुख क्षेत्र तय किए गए उनको कोई भी कंपनी पंजीकृत ट्रस्ट या समिति बनाकर या तो निजी रूप में या अन्य कंपनी के साथ मिलकर काम कर सकती हैं। कानून के तहत जो कार्य क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं उनमें -गरीबी और भूख, कुपोषण निवारण, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता अभियान ,स्वच्छ भारत कोश ,शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास,बच्चों -महिलाओं के कल्याण की योजनाएं ,जीविका के अवसर पैदा करना ,पर्यावरण संरक्षण,परिस्थितिकी संतुलन, जैव पारिस्थितिकी, जैविक कल्याण ,वन संरक्षण,मृदा संरक्षण,वायु -जल प्रदूषण ,क्लीन गंगा ,राष्ट्रीय धरोहर, सार्वजनिक पुस्तकालय ,ई लर्निंग,कंप्यूटर लैब ,अनुसूचित जाति ,जनजाति और अन्य पिछड़ाए वर्ग के हित की योजनाएं तथा ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं में सीएसआर कोश का प्रयोग किया जा सकता है ।प्रधानमंत्री राहत कोष में भी सीएसआर की राशि का योगदान दिया जा सकता है ।भारत सरकार ने एक राष्ट्रीय सीएसआर पोर्टल बनाया है जिसमें पीएम एनआरएस, स्वच्छ भारत ,क्लीन गंगा मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रमों में सीएसआर का योगदान किया जा सकता है ।

कोविड काल में सी एस आर में कमी -- 2021 में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत 38790 सी एस आर परियोजनाएं पूरे देश भर में कोविड काल में चलाई गई जिनको ग्रामीण विकास , खेल,शिक्षा, महिला सशक्तिकरण ,लैंगिक समानता ,वृद्धाश्रम ,स्वच्छ भारत ,क्लीन गंगा,स्वास्थ्य,पर्यावरण,धरोहर,कला संस्कृति और स्लम ,आदि के लिए विशेष रूप से चलाया गया। इस अवधि में दस शीर्ष सी एस आर राशि प्राप्त करने वाले राज्यों में महाराष्ट्र, कर्नाटक ,तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, दिल्ली ,राजस्थान और तेलंगाना रहे। टाइम्स ऑफ इंडिया की 1/12/2021 की रिपोर्ट के अनुसार महामारी प्रभाव के कारण सी एस आर खर्च में 64%वार्षिक कमी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2020-21 में सिर्फ 1619 कंपनियों ने 8828.21 करोड़ रुपए का सी एस आर खर्च किया है। पिछले दो वर्षों 2019-20 और 2018-19 में 25099 कंपनियों ने 24688.66 और 20150.27 करोड़ रुपए सी एस आर पर खर्च किए ।(टाइम्स ऑफ इंडिया ,1/12/2021)

2021 में सी एस आर पर खर्च करने वाली दस शीर्ष कंपनियों में रिलायंस 922 करोड़ ,टी सी एस 674करोड़ ,टाटा संस प्रा. लि. 545.83 करोड़ ,एच डी एफ सी बैंक 534.03 करोड़ ओ एन जी सी 531.45 करोड़ ,इंडियन ऑयल 445.09 करोड़ ,एन टी पी सी 418.87 करोड़ ,इन्फोसिस 361.82 करोड़ ,आई टी सी 335.43 करोड़ और विप्रो ने 246.99 करोड़ रुपए खर्च किए। इस अवधि में सी एस आर के तहत शिक्षा पर 2954.17 करोड़ और स्वास्थ्य पर 2559.29 करोड़ खर्च किया गया । (https://csr.gov.in)

कोविड काल 2020-21 में सी एस आर पर खर्च करने वाले दस शीर्ष कंपनियां --

1 - रिलायंस -

रिलायंस ने 2020-21 कोविड की पहली लहर में देश में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत सी एस आर के तहत एक हजार करोड़ से अधिक राशि खर्च की । कंपनी ने आंध्र प्रदेश में कोविड -19 राहत कार्यक्रम के तहत मिशन सेवा में 40 करोड़, चिकित्सा राहत और सहायता कार्यक्रम में 6 करोड़ रुपए खर्च किए। इस अवधि में कंपनी ने देश के विभिन्न हिस्सों में मिशन कोविड सुरक्षा के अंतर्गत 143 करोड़ रुपए खर्च किए। केरल में कंपनी ने कोविड सहायता के रूप में 10 करोड़ रुपए दिए। उत्तर प्रदेश को इस दौरान पब्लिक हेल्थ केयर इनिशिएटिव के तहत 108 करोड़ की राशि दी। 2020-21 में पी एम केयर फंड में 10990 करोड़ रुपए का योगदान किया गया जिसमें रिलायंस ने 500 करोड़ की सहायता राशि कोविड से लड़ने के लिए पी एम केयर फंड में जमा की ।कंपनी ने कोविड में सहायता के लिए महाराष्ट्र और गुजरात मुख्यमंत्री राहत कोश में भी 5 -5 करोड़ रुपए की राहत राशि प्रदान की।कोविड में कंपनी ने 100 बिस्तरों के अस्पताल बनाने और 50 लाख

लोगों को निशुल्क भोजन व हजारों पी पी किट प्रतिदिन बांटने का कार्य भी किया। 30-03-2020 को जारी कंपनी की एक रिलीज में कहा गया कि कोरोना हारेगा जीतेगा इंडिया ।(https://www.ril.com-csr)कंपनी ने देश की कोविड के लिए की जा रही तैयारियों के प्रति समर्थन जताया और कोविड की लड़ाई में जीत पाने तक सहयोग का वादा किया । इकोनॉमिक्स टाइम्स की 29-5-2022 की रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस ने अपने एजेंडे के शीर्ष पर सामाजिक जिम्मेदारी की पहल ,स्वास्थ्य और समुदायों की भलाई को रखा है। रिपोर्ट में बतया गया कि वित्त वर्ष 2020-2021 में रिलायंस ने सी एस आर पर 1184.93 करोड़ रुपए खर्च किए (इकोनॉमिक्स टाइम्स, 2022)।

2 - टी सी एस –

टी सी एस के सी एस आर विजन में कहा गया है कि डिजिटल अर्थतन्त्र में नागरिकों को जोड़कर उनका सशक्तिकरण करना है। टी सी एस के मिशन में सबको विशेषकर युवा ,महिलाओं और वंचितों को अवसर प्रदान करने हेतु समान, सतत और समावेशी राह प्रदान करनी है। (http://www.tcs.com-csr) टाटा ससटेनेबिलिटी डॉट कॉम वेबसाइट टी सी एस की सी एस आर नीति के संबंध में लिखती है कि सी एस आर कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय ,राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक रहते हुए वैश्विक सतत विकास सिद्धांतों को स्वीकार कर वंचितों को केंद्र में रखते हुए सरकार और गैर सरकारी संगठनों व अन्य संबंधित हितधारकों के साथ काम करना है। टाटा समूह की सी एस आर गतिविधियां शिक्षा ,जीविका ,स्वास्थ्य ,कौशल विकास ,स्वच्छता और सशक्तिकरण आदि हैं। 2020-21 में टी सी एस ने पी एम केयर फंड में 256 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की। टी सी एस ने कोविड काल में अपने सहयोगी ताज पब्लिक सर्विस वेल्फेयर ट्रस्ट के साथ सी एस आर गतिविधियां की। क्वारंटीन दावा ,खाद्य पदार्थ आपूर्ति देश भर विशेष कर महाराष्ट्र ,तमिलनाडु,पश्चिम बंगाल में की।

3 - टाटा संस प्रा. लि. -

टाटा संस प्रा. लि. ने कोविड काल में पी एम केयर फंड में 241.75 करोड़ रुपए सी एस आर सहायता राशि के रूप में जमा किए। इसके अतिरिक्त इस संकट काल में टाटा संस ने मुंबई में कैंसर कार्यक्रम और परियोजना के लिए लगभग 50 करोड़ रुपए खर्च किए। साथ ही अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिए भी सी एस आर सहायता राशि प्रदान की ।

4 - एच डी एफ सी बैंक -

एच डी एफ सी बैंक ने 2020-21 में कोविड -19 की प्रथम लहर में सी एस आर के तहत 634.91 करोड़ रुपए का योगदान किया । यह राशि ग्रामीण विकास ,शिक्षा ,कौशल विकास ,जीविका रोजगार,स्वास्थ्य,वित साक्षरता और समावेशीकरण के लिए उपयोग में लाई गई । बैंक ने कोविड राहत और बचाव के लिए 110 करोड़ रुपए आबंटित किए। एच डी एफ सी बैंक ने पी एम केयर फंड में भी 150 करोड़ रुपए प्रदान किए। बैंक ने पी एम केयर फंड ,गूंज ,हैलपेज इंडिया ,रेपिड रिस्पॉन्स को सहायता और राहत राशि देने के लिए नेट बैंकिंग और बैंक एप्लीकेशन की सुविधा आरंभ की। इस कठिन समय में बैंक ने 20-07-2021 को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर 3200 छात्रों के लिए 9 करोड़ की छात्रवृति की घोषित की जिसके अंतर्गत एक विद्यार्थी को अधिकतम 75 हजार रुपए देने का प्रावधान सी एस आर में किया गया ।बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए लोन के भुगतान की किश्त देने की तारीख भी आगे बढ़ाई । संगीतकार ए आर रहमान के साथ मिलकर बैक ने भारतीयों में आशा और सकारात्मकता का संचार करने के लिए एक गीत बनाया जिसे 3 करोड़ लोगों ने सुना(https://www.hdfcbank.com-csr) । बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार बैंक की सामाजिक पहल

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के लक्ष्य से जुड़ी है।बैंक सामाजिक कॉर्पोरेट दायित्व के कार्य परिवर्तन कार्यक्रम के तहत कर्ता है। (बिजनेस स्टैंडर्ड ,8-7-2021) बैंक ने कोविड के लिए अपनी सी एस आर राशि को अनेक तरह की चिकित्सा सहायता के लिए प्रयोग किया । द हिन्दू बिजनेस लाइन डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार बैंक ने परिवर्तन के तहत महामारी से लड़ने के लिए अस्पतालों में चिकित्सा उपकरण आपूर्ति सहित स्थायी चिकित्सा अवसंरचना जैसे ऑक्सीजन प्लांट ,गहन चिकित्सा यूनिट और सुविधाएं उपलब्ध कराना है।(https://www.thehindubusinessline.com 18-7-2022)।

5 - ओ एन जी सी

सार्वजनिक क्षेत्र की महत्वपूर्ण कंपनी ओ एन जी सी भी कोविड सहायता और राहत में अपने सी एस आर गतिविधियों के कारण चर्चा में रही । आउटलुक इंडिया डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार 2020 में लॉकडाउन ने दिहाड़ी मजदूरों और फ्रंटलाइन वर्करों के सामने बड़ी कठिनाई उत्पन्न कर दी थी । ओएनजीसी फाउंडेशन ने सहायता प्रदान करने के लिए दिन -रात कार्य किया(https://www.outlookindia.com/csr_2022/ongc-php)। ओएनजीसी फाउंडेशन अपने सहयोगियों की बदौलत देश के अधिकांश हिस्से में फैले अपने नेटवर्क की मदद से राशन किट ,हाईजिन किट ,प्रतिरोधी उपकरण ,और चिकित्सा उपकरण वितरित किए। इससे बिहार ,दिल्ली ,उत्तरप्रदेश ,कर्नाटक ,हरियाणा ,गुजरात ,नागालैंड ,उत्तराखंड ,त्रिपुरा ,असम ,और महाराष्ट्र आदि राज्यों को सहायता प्राप्त हुई। दिल्ली में सेवा भारती के सहयोग से दस हजार खाद्य पदार्थ रोजाना वितरित किए गए । 50 बिस्तरों का सुविधा युक्त एकांतवास स्थापित किया गया । इस्कॉन,रामशरण खजानी देवी मेमोरियल चेरीटेबल सोसायटी और गौतम गंभीर फाउंडेशन के सहयोग से झुग्गी बस्तियों और वरिष्ठ नागरिकों को किराना सामान और हाईजिन किट प्रदान किए गए। इसके अलावा फेसमास्क ,फेसशील्ड और सेनेटाइजर भी वितरित किए गए। सरकारी अस्पतालों में वैनटीलेटर बैड और पी एस ए प्लांट भी लगाए गए।

6 - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने लॉकडाउन में और कोविड की प्रथम लहर में अपने सी एस आर फंड से अनेक कल्याणकारी और परोपकारी कार्य किए।इस अवधि में कॉर्पोरेशन ने आंध्रप्रदेश में दैनिक भोगी मजदूरों,संविदा श्रमिकों और विस्थापित श्रमिकों के लिए खाद्य पदार्थ और चिकित्सा कर्मियों के लिए पी पी किट वितरित किए। आंध्र में इंडियन ऑयल ने मास्क भी नागरिकों को वितरित किए। असम में कंपनी ने लॉकडाउन में खाद्य सामग्री और चिकित्सा कर्मियों को पी पी किट का वितरण किया । असम के 48 गावों में मोबाइल मेडिकल यूनिट सेवा का संचालन किया और अस्पतालों को आर्थिक सहायता राशि प्रदान की । गोहाटी रेलवे स्टेशन पर एंबुलेस सेवा के साथ दिल्ली में दस हजार सेनेटाइजर का वितरण किया गया । गुजरात में सेनेटाइजर ,झारखंड में गहन चिकित्सा उपकरण ,उड़ीसा में राशन किट फेसमास्क ,उत्तर प्रदेश में खाद्य पदार्थ और पश्चिम बंगाल में सेनेटाइजार का वितरण किया गया। द सी एस आर यूनिवर्स की 22 दिसंबर, 2021 की रिपोर्ट के अनुसार इंडियन ऑयल ने वितीय वर्ष 2020-21 के लिए अपने सी एस आर दायित्व के अलावा 118 करोड़ रुपए खर्च किए। कंपनी ने इस अवधि में स्वास्थ्य सेवा,शिक्षा ,पर्यावरण ,महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास पर ध्यान देने के साथ विभिन्न सी एस आर परियोजनाओं पर 460 करोड़ रू खर्च किए हैं। (सी एस आर यूनिवर्स ,2021)

7- एनटीपीसी

एनटीपीसी ने 2020-21 में कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत अनेक सामाजिक सहायता कार्यक्रम किए। देश भर में एनटीपीसी ने औरैया ,भुवनेश्वर ,फरक्का,फरीदाबाद ,गौतमबुद्ध नगर ,कहलगाँव ,कोरबा,लखनऊ ,सिंगरोली विंध्याचल और पटना आदि जगह हैल्थ कैंप ,किराना सामान वितरण मोबाइल हैल्थ क्लीनिक ,पी पी किट वितरण ,स्ट्रेचर ट्राली ,व्हील चेयर वितरण ,ब्लड बैंक ,सरकारी अस्पतालों को सहायता सहित गरीबों को खाद्य पदार्थ वितरित किए। जांच लैब,बर्न यूनिट और ऑपरेशन रूम बनाने के लिए सी एस आर सहायता प्रदान की

गई। इंडिया सी एस आर की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने सामाजिक कल्याण कार्यों के लिए सी एस आर के तहत 304.92 करोड़ रु खर्च किए जिससे 500 गाँव लाभान्वित हुए। (इंडिया सी एस आर 4—4-2021)

8 - इन्फोसिस

इन्फोसिस ने 2020-21 कोविड के कठिन समय में अनेक स्वास्थ्य संबंधी सहायता कार्यक्रम कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत किए। इनमें दिल्ली में प्राइमरी हैल्थ केयर ,हरियाणा झज्झर में एम्स में 800 बिस्तरों की व्यवस्था ,जयदेवा इंस्टीट्यूट कर्नाटक में 300 बिस्तरों की व्यवस्था ,कर्नाटक में बच्चों के अस्पताल में 100 बिस्तरों की व्यवस्था, महाराष्ट्र के धर्मशाला में इन्फोसिस आशा निवास में 600 बिस्तरों की व्यवस्था सी एस आर फंड से की गई। देश भर में इन्फोसिस ने इस फंड से 37.29 करोड़ रुपए कोविड राहत कार्यक्रमों पर खर्च किए।31 मार्च ,2020 की इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इन्फोसिस ने कोविड महामारी से मुकाबले के लिए सरकार ,सामाजिक समूहों और स्वास्थ्य संगठनों और कॉर्पोरेट सेक्टर को एक साथ मिलकर काम करने पर जोर दिया (इकोनॉमिक्स टाइम्स, ,2020)

9 - आई टी सी

आई टी सी ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत 48.20 करोड़ रुपए खर्च किए । सी एस आर जर्नल की 4 मई ,2021 की रिपोर्ट के अनुसार 2020 में कंपनी सी एस आर गतिविधियों पर 326 करोड़ रु खर्च किए। कंपनी ने कोविड में किसानों ,मजदूरों और वंचितों की सहायता के लिए 215 करोड़ रु का प्रावधान किया जिसमें खाद्य पदार्थों की सहायता भी शामिल थी ।नेशन फर्स्ट की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप और कोविड 19 महामारी को रोकने के लिए लागू किए गए अभूतपूर्व लॉकडाउन से उत्पन्न जरूरतों का जवाब देने के लिए आई टी सी ने एक सी एस आर पहल की शुरुआत की ताकि एक इको सिस्टम का निर्माण किया जा सके जिससे मनरेगा और दैनिक श्रमिकों के लिए आजीविका का मार्ग प्रशस्त हो सके । (सी एस आर जर्नल ,2021)

10- विप्रो

विप्रो ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोश में 25 करोड़ रुपए प्रदान किए। इसके अतिरिक्त अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं पर भी कंपनी ने सी एस आर राहत राशि का उपयोग किया । विप्रो ने महाराष्ट्र और नागालैंड में प्राइमरी हैल्थ केयर ढांचे के लिए सहायता राशि प्रदान की और महामारी से निपटने के लिए विद्यार्थियों और शिक्षाविदों को प्रोत्साहित किया ।सी एस आर जर्नल की 12 जुलाई, 2021 की रिपोर्ट के अनुसार विप्रो ने 2020-21 सी एस आर गतिविधियों पर निर्धारित राशि से 52% अधिक धन खर्च किया जिसमें कोविड राहत सहायता के लिए 86.8 करोड़ रु खर्च किए गए।(सी एस आर यूनिवर्स जर्नल, 2021)

सी एस आर और मीडिया --2013- 14 के बाद से ही मीडिया में सीएसआर की खबरें अक्सर चर्चा में रही है। सी एस आर कानून में कई खामियों के चलते सरकार ने 2019 में संशोधन कर सी एस आर का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के लिए जुर्माना और सजा का प्रावधान भी किया गया। मीडिया में अक्सर इस तरह की खबरें आती रहती थी कि सीएसआर कंपनियां अपने निर्धारित राशि 2% को भी खर्च नहीं कर रही हैं। इसीलिए सरकार को कानून में संशोधन करना पड़ा। दूसरी तरफ ऐसे भी कुछ कम्पनियों के उदाहरण है जिनका सी एस आर के क्षेत्र में उल्लेखनीय रिकॉर्ड रहा है और मीडिया में उनकी काफी सकारात्मक खबरें देखने को मिलती हैं। इन कंपनियों में टाटा,रिलायंस , विप्रो और इंफोसिस के नाम लिए जा सकते हैं जिनकी सक्सेस स्टोरी को परंपरागत मीडिया और सोशल मीडिया में अक्सर देखा जा सकता है। प्राकृतिक आपदाओं में सी एस आर की भूमिका देखने को मिलती है । मीडिया ने भारतीय अमीरों की सामाजिक योगदान की प्रति निराशा को कई बार इंगित किया है ।भारतीय अमीर सी एस आर पर उतना भी खर्च नहीं करते जितना कि उनको करना चाहिए ।सी एस आर कानून में जुर्माना और सजा के प्रावधान से कंपनियां थोड़ी सी सतर्क हो गई हैं ।मीडिया द्वारा

निगरानी रखने का असर भी हुआ है जिसके कारण अब सी एस आर सहायता राशि खर्च की जाने लगी है और मीडिया में उसका प्रचार -प्रसार भी किया जाने लगा है।

2015 से 18 के बीच 37% कंपनियों के द्वारा अपने मुनाफे के 2% से कम खर्च की खबरें मीडिया में छाई रही ।आजकल कॉर्पोरेट सेक्टर ने सीएसआर की रकम खर्च करने का रास्ता निकाल लिया है। अब अपने ही ट्रस्ट द्वारा या एनजीओ के माध्यम से ऐसे कामों में इस राशि को खर्च कर रहा है । ।हालांकि ऐसे उदाहरण कम ही है लेकिन एक ट्रेंड अभी चल रहाहै। ज्यादातर कंपनियां समाज में अपनी कल्याणकारी छवि बनाने के लिए मीडिया का सहारा लेती हैं और अपनी सामाजिक छवि को लेकर सचेत रहती हैं ।यही कारण है अपने सामाजिक क्षेत्र में किए गए कार्यो के प्रचार प्रसार का कोई मौका वे चूकती नही हैं। इसीलिए सी एस आर पर खर्च राशि और उसके माध्यम से किए जा रहे समाज हित के कार्य आजकल कॉरपोरेट सेक्टर मीडिया में बढ़ा चढ़ाकर प्रस्तुत कर रहा है ।

भारत में जब कोविड महामारी का आगमन हुआ तभी से सरकार समाज मीडिया और उद्योग सभी के लिए चिंताजनक स्थिति बन गई । इससे निपटने के लिए कॉर्पोरेट ,सरकार और सामाजिक समूह सभी अपने स्तर पर प्रयास में लग गए थे।महामारी के आरंभ में रिलायस के सहायता प्रयासों को लेकर अमर उजाला पत्र ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में रिलायंस इंडस्ट्री ने ऐसे बढ़ाया सहयोग -शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया । समाचार पत्र लिखता है कि रिलायंस ने कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए उत्पादन क्षमता बढ़ाकर एक लाख मास्क प्रतिदिन करने ,कोविड 19 के मरेजों को ले जाने वाले वाहनों को मुफ़्त ईंधन देने तथा विभिन्न शहरों में मुफ़्त भोजन उपलब्ध कराने की घोषणा की है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा है कि उसकी सी एस आर इकाई द्वारा संचालित अस्पताल ने कोरोना वायरस मरीजों के लिए 100 वाली एक इकाई की स्थापित की है। (अमर उजाला 23-05-2020)सरकार ने महामारी से निपटने में संसाधन जुटाने के लिए सी एस आर फंड को कोविड महामारी से निपटने की अनुमति प्रदान की इकोनॉमिक्स टाइम्स ने इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया । अखबार की रिपोर्ट के अनुसार कॉर्पोरेट मंत्रालय की अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि कोविड 19 के लिए सी एस आर फंड का खर्च सी एस आर गतिविधि कर योग्य है। (इकोनॉमिक्स टाइम्स ,23-03-2020) टी सी एस ने सी एस आर के तहत जब कोविड से प्रभावित युवाओं को कौशल प्रदान करने की घोषणा की तो बिजनेस स्टैंडर्ड ने इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया टी सी एस आर से कौशल सीखने के लिए हजारों युवाओं के नामांकन प्राप्त हुए।रिपोर्ट के अनुसार टी सी एस भारत की सबसे बड़ी आई टी सेवा कंपनी है,जिसका लक्ष्य उन परिवारों की मदद करना है जो कोविड 19 से प्रभावित हुए हैं। (बिजनेस स्टैंडर्ड ,2021) इससे टी सी एस के सी एस आर कार्यक्रम यूथ एम्पलायमेंट प्रोग्राम को लोकप्रियता प्राप्त हुई ।

2015 से 18 में 12% कंपनियों ने अपनी निर्धारित राशि 2% से बढ़ाकर 3% से ज्यादा खर्च की । इसको मीडिया में पर्याप्त पब्लिसिटी मिली ।द हिन्दू बिजनेस लाइन डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार सी एस आर इंडिया इंक ने 2020-21 में स्वास्थ्य सेवा के लिए 6947 करोड़ रुपए खर्च किए।(द हिन्दू बिजनेस लाइन डॉट कॉम 18/07/2022) सोशल नेटवर्किंग साइट्स के माध्यम से कॉरपोरेट सेक्टर अपनी छवि को सकारात्मक रूप देने समाज हितेषी बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

सोशल मीडिया पर सक्रिय सरकार और कंपनियां --आजकल इंस्टाग्राम ,,फेसबुक ,यूट्यूब ब्लॉग और ट्विटर आदि पर ये कंपनियां काफी सक्रिय हैं और नियमित रूप से अपने सीएसआर कार्यों का प्रचार प्रसार करती रहती हैं ।कुछ मीडिया हाउस में साहित्य और सांस्कृतिक कॉन्क्लेव कराने का प्रचलन भी तेजी से बढ़ रहा है। विभिन्न टीवी चैनलों द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रम करवाए जा रहे हैं । कई मीडिया घराने प्रशिक्षण केंद्र ,विद्यालय और विश्वविद्यालय चला रहे हैं ।यह कार्य किसी ट्रस्ट या समिति के माध्यम से किया जा रहा है। कोविड का असर सी एस आर पर भी पड़ा जिसमें 64% तक की कमी आई । जनसत्ता ने लिखा कि कोरोना काल देश में सभी के लिए मुसीबत लेकर आया कोरोना की वजह से उद्योग धंधों को भी जबरदस्त धक्का लगा

। जिस के कारण देश में कंपनियों के द्वारा दी जाने वाली कॉर्पोरेट सोशल दायित्व में भी गिरावट देखने को मिली है। (जनसत्ता , 14/02/2022)महामारी के शुरुआत में विप्रो के चेयरमैन अजीम प्रेम जी ने 1125 करोड़ की सहायता की घोषणा की तो मीडिया ने अच्छी कवरेज दी । जुलाई, 2021 में पुन मुंबई चार्टड अकाउंट सोसाइटी के कार्यक्रम में प्रेम जी ने एक हजार करोड़ रुपए की अतिरिक्त सहायता वैश्विक टीकाकरण के लिए प्रदान करने की घोषणा की । टाइम्स ऑफ इंडिया ने 7 जुलाई 2021 को इस घोषणा को व्यापकता से प्रकाशित किया । (टाइम्स ऑफ इंडिया ,07-07-2021)। रिलायंस के कोविड काल में सर्वाधिक योगदान की चर्चा भी मीडिया में कई बार हुई । सी एस आर राशि कोविड सहायता कार्यों के लिए खर्च करने के लिए भी रिलायंस की सकारात्मक छवि भी मीडिया में इस अवधि में बनती दिखाई देती है। 29 मई, 2022 को मुकेश अंबानी की रिलायंस ने ऑक्सीजन सप्लाई ,शिक्षा -स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में खर्च किए 1184.93 करोड़ रुपए शीर्षक से प्रकाशित समाचार में लिखा कि बीते दो 'साल' सेवा के थे । 2021 की शुरुआत काफी उम्मीदों के साथ हुई थी ,लेकिन इस दौरान महामारी की दूसरी लहर के रूप में सबसे बड़ा संकट भी आया जिसने देश दुनिया को बुरी तरह प्रभावित किया । रिपोर्ट कहती है कि महामारी के दौरान रिलायंस ने राष्ट्र के समक्ष या रही जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया ।(लाइव हिंदुस्तान ,29-05-2022)1अप्रैल 2020 को सी एन बी सी अजीम प्रेम जी फाउंडेशन द्वारा कोविड संकट से निपटने के लिए दी गई 1125 करोड़ की सहायता राशि को काफी कवरेज दी (http://www.cnbctv18.com 1-4-2020) । सी एस आर गतिविधियों को लेकर कॉर्पोरेट जगत सक्रिय हो रहा है और अपने सामाजिक कार्यों को जनता तक ले जाने के लिए मीडिया का सहारा ले रहा है। कॉर्पोरेट इसके लिए लगातार सोशल मीडिया का इस्तेमाल भी कर रहा है। । सरकार भीसी एस आर पर निगरानी करने और आपदा के समय कॉर्पोरेट से सहयोग की अपील करती है। मीडिया इस अपील को प्रचारित- प्रसारित कर कॉर्पोरेट जगत को सामाजिक जिम्मेदारी का एहसास कराता है । मीडिया कॉर्पोरेट को सी एस आर कार्यों के वैधानिक दायित्व के प्रति भी जवाबदेही से अवगत करता है। कॉर्पोरेट सी एस आर कार्यों को मीडिया में प्रचारित कर अपनी सामाजिक साख और ग्राहकों के बीच अच्छी छवि बनाने का प्रयास भी करता है।

1. सी एस आर डॉट जी ओ वी डॉट इन.(2014). http://csr.gov.in,
2. सी एस आर डॉट जी ओ वी डॉट इन.(2014). http://csr.gov.in
3. टाइम्स ऑफ इंडिया डॉट कॉम. (2021).https://m.timesofindia.com/business/india-business/60-of-csr-spend-on-education-healthcare-and-rural-development-in-last-seven-years-govt/amp_articleshow/92969207.cms
4. सी एस आर डॉट जी ओ वी डॉट इन.(2014). https://csr.gov.in
5. आर आई अल डॉट कॉम (https://www.ril.com-csr
6. इकोनॉमिक्स टाइम्स.(2022). https://m.economictimes.com/news/company/corporate-trends/mukesh-ambanis-reliance-industries-spends-rs-1185-cr-on-csr-in-fy22/articleshow/91866368.cms
7. टी सी एस डॉट कॉम . http://www.tcs.com-csr
8. एच दी एफ सी बैंक डॉट कॉम . (https://www.hdfcbank.com-csr
9. बिजनेस स्टैंडर्ड . (2021). https://www.business-standard.com/article/news-ani/hdfc-bank-spends-rs-635-cr-towards-csr-including-covid-relief-in-fy21-121070801064_1.html
10. द हिन्दू बिजनेस लाइन डॉट कॉम . (2022). https://www.thehindubusinessline.com/economy/csr-india-inc-spent-6947-crore-towards-healthcare-in-2020-21-fm-tells-ls/article65654493.ece 18-07-2022
11. आउट लुक इंडिया डॉट कॉम (2022). (https://www.outlookindia.com/csr_2022/ongc-php

12. द सी एस आर यूनिवर्स डॉट कॉम . (2021). https://thecsruniverse.com/articles/indian-oil-spends-over-rs-460-crore-on-csr-in-fy21-rs-225-cr-goes-to-pm-cares-fund
13. इंडिया सी एस आर डॉट इन https://indiacsr.in/ntpc-spends-rs-304-92-cr-towards-corporate-social-responsibility-csr-500-villages-benefited/
14. इकोनॉमिक्स टाइम्स . (2020). https://m.economictimes.com/tech/ites/imperative-for-businesses-to-join-hands-with-govt-civil-society-healthcare-institutions-infy-ceo/articleshow/74906888.cms
15. द सी एस आर जर्नल डॉट इन (2021). https://thecsrjournal.in/itc-csr-report-india/
16. द सी एस आर यूनिवर्स डॉट कॉम. (2021). https://thecsruniverse.com/articles/exceptional-csr-wipro-spends-151-of-prescribed-csr-limit-focuses-on-education-covid-relief-
17. अमर उजाला . (2020). https://www.amarujala.com/business/corporate/reliance-industries-of-mukesh-ambani-is-helping-india-to-fight-corona-virus-covid-19
18. इकोनॉमिक्स टाइम्स . (2020). https://m.economictimes.com/news/company/corporate-trends/corporate-affairs-ministry-to-count-funds-spent-to-tackle-covid-19-under-csr-activity/articleshow/74776066.cms
19. बिजनेस स्टैंडर्ड . (2021). https://www.business-standard.com/article/companies/tcs-aims-to-skill-youth-impacted-by-covid-19-pandemic-via-csr-programme-121092901357_1.html
20. द हिन्दू बिजनेस लाइन डॉट कॉम. (2022). https://www.thehindubusinessline.com/economy/csr-india-inc-spent-6947-crore-towards-healthcare-in-2020-21-fm-tells-ls/article65654493.ece
21. जनसत्ता. (2022). https://www.jansatta.com/business/mukesh-ambani-led-reliance-industries-profit-increased-by-21-percent-during-the-corona-period/2043103/
22. टाइम्स ऑफ इंडिया.(2021).https://m.timesofindia.com/business/india-business/wipro-commits-rs-1000-crore-more-for-covid-19-premji-says-promoting-students-to-next-class-worst-thing/amp_articleshow/84184956.cms
23. लाइव हिंदुस्तान . (2022). https://www.livehindustan.com/business/story-reliance-industries-spends-rs-1185-cr-on-csr-in-fy22-6560306.amp.html#amp_tf=From%20%251%24s&aoh=16792439484998&referrer=https%3A%2F%2Fwww.google.com
24. सी एन बी सी. (2020). https://www.cnbctv18.com/healthcare/azim-premji-foundation-wipro-commit-rs-1125-crore-to-tackle-coronavirus-crisis-5602351.htm